के साथ कहानियां बताना

गुब्बारे

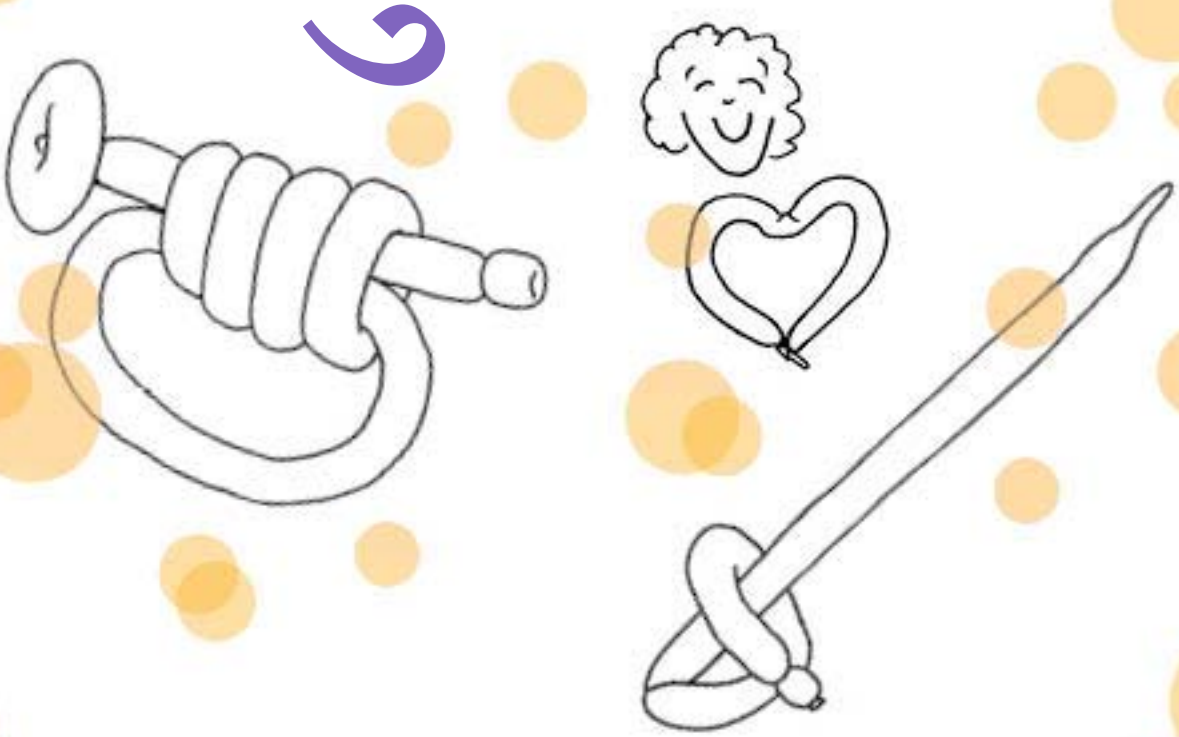

मॉन्सारैट डुरान द्वारा

एंड्रयू और ऐना

आयत : यूहन्ना 3: 16-17

1-2 लंबे गुब्बारे

बाइबल आयत के साथ आरंभ करें। फिर, कहानी बताएँ।

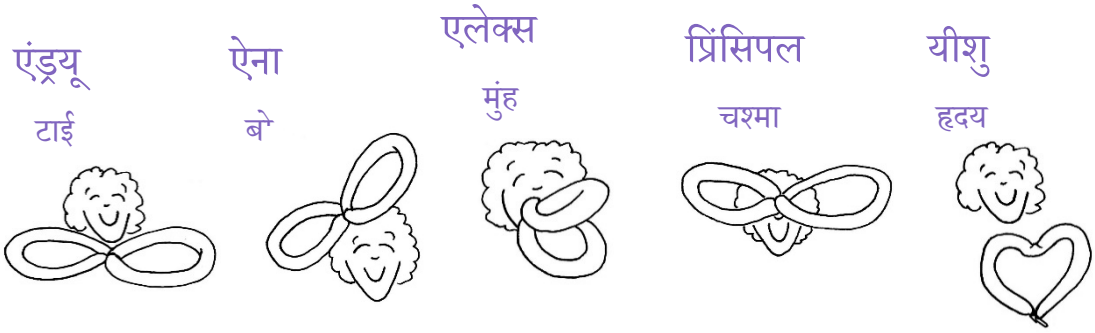

एंड्रयू (टाई) एक छोटा बच्चा था जो हर बार स्कूल जाने के दौरान बड़ी टाई का इस्तेमाल करना पसंद करता था।

ऐना (बो), एंड्रयू का सबसे अच्छा दोस्त (टाई), हमेशा परेशान करने के लिए किसी की तलाश में रहती है। स्कूल में, उनका एक सहपाठी है जिसका नाम एलेक्स (मुंह) है।

एलेक्स (मुंह) का मुंह काफी बड़ा है, और वे उसका मज़ाक उड़ाया करते थे।

वे एलेक्स (मुंह) को चोट पहुँचानेवाले शब्द कहा करते थे और उसे रुलाते थे। लेकिन इसलिए कि एंड्रयू (टाई) और ऐना (बो) वास्तव में काफी शरारती बच्चे थे, इसलिए उन्हें बिलकुल परवाह नहीं थी कि उन्होंने उसे चोट पहुंचाई है।

एक दिन एंड्रयू (टाई) और ऐना (बो) को अपनी कक्षा में जाकर अपने सहपाठियों के सामान को चुराने का विचार आया। उन्हें इस बात का बिलकुल अंदाज़ा नहीं था कि उनकी प्रिंसिपल (चश्मा) खिड़की से उन्हें देख रही थी, और वे सामान चुराते रहे।

प्रिंसिपल (चश्मा) ने एंड्रयू (टाई) और ऐना (बो) की शरारत को देखकर, उन्हें डांटा और उन्हें सजा देने के लिए अपने कार्यालय में ले गयी।

एंड्रयू (टाई) और ऐना (बो) प्रिंसिपल के कार्यालय में बहुत उदास खड़े थे। तभी एलेक्स (मुहं) वहां से जा रहा था, और उन्हें देखकर, उनसे पूछा कि वे वहां क्या कर रहे थे। एंड्रयू (टाई) और ऐना (बो) ने उसे बताया कि प्रिंसिपल (चश्मा) उन्हें सजा देने जा रही है क्योंकि वे अपने सहपाठियों के सामान चुरा रहे थे।

एलेक्स (मुंह) ने उन्हें बताना शुरू किया कि वह ऐसे किसी को जानता है जो उन्हें उनके लिए जो उन्होंने किया हैं, दंडित नहीं करेगा, वह उन्हें माफ़ करने और अच्छे बच्चे बनने में मदद करने के लिए तैयार है।

एंड्रयू (टाई) और ऐना (बो) ने खुशी से पूछा कि वह कौन था। एलेक्स (मुहं) ने उन्हें जवाब दिया, उसका नाम यीशु (हृदय) है।

उन्हें केवल यह स्वीकार करना था कि वह उनके हृदय में आयें, और तब यीशु (हृदय) उन्हें माफ करने और उन्हें प्यार करने के लिए तैयार है, ताकि आगे को वे दोनों शरारत छोड़कर अच्छे बच्चे बन सके।

योना और बड़ी मछली

आयत: योना 1:17

लंबे गुब्बारे

गोल गुब्बारे

छोटी गेंद (स्टायरोफोम या अन्य)

हृदय नाव शोर के लिए मछली मुस्कान

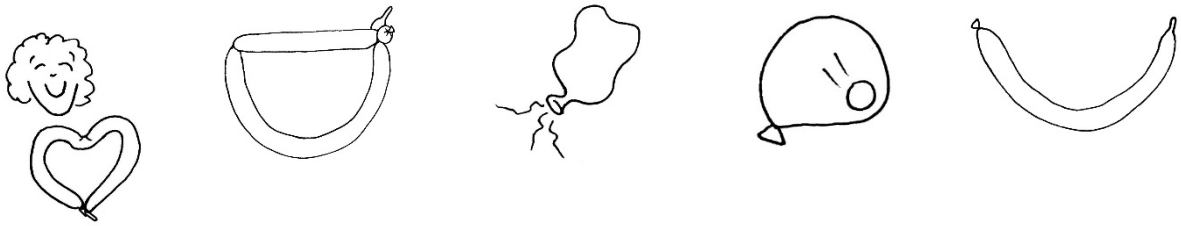

परमेश्वर ने आपको एक उद्देश्य से बनाया है!

योना के लिए परमेश्वर के पास एक विशेष काम था, और उसके लिए एक विशेष उद्देश्य भी था। उसका काम नीनवे में जाकर परमेश्वर के प्रेम का प्रचार करना था (हृदय गुब्बारा) । नीनवे एक ऐसा शहर था जहां पर बहुत बुरे लोग रहते थे और यही कारण था कि परमेश्वर योना को वहां भेजना चाहते थे।

जहाँ पर वह था वहां योना बहुत खुश (मुस्कान गुब्बारा) था, और नीनवे जाना नहीं चाहता था। जब परमेश्वर ने उसे उस वचन को नीनवे के पास ले जाने के लिए कहा, तो उसने ऐसा नाटक किया जैसा कि वह सुन नहीं पाया हो। योना ने परमेश्वर की आज्ञा की अवज्ञा करने का फैसला किया। वह परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय अन्य चीजों में व्यस्त होना चाहता था।

जब हम उसकी आज्ञा मानेंगे तो परमेश्वर खुश होंगे!

परमेश्वर ने हर दिन योना को याद दिलाया कि उसे क्या करना था, लेकिन योना ने एक नाव में बैठकर भागने का फैसला किया (नाव गुब्बारा)। हालांकि, एक बड़ा तूफान आया, जो बहुत शोर कर रहा था (शोर गुब्बारा)। नाव (नाव का गुब्बारा) तूफान में बुरी तरह से डोलने लगा और नाविकों ने सोचा कि वे मरने जा रहे थे! (शोर गुब्बारा) तब नाविकों ने योना को पकड़ लिया और उसे समुद्र में फेंक दिया। अंदाजा लगाइए कि क्या हुआ? तूफान तुरंत शांत हो गया! परमेश्वर ने एक बड़ी मछली को तैयार कर रखा था (मछली गुब्बारा) और उसने आकर योना को निगल लिया! वह उस बड़ी मछली के पेट (मछली गुब्बारा) के अंदर तीन दिन और तीन रात रहा। योना भयभीत था और परमेश्वर से प्रार्थना की, और उससे माफी मांगता रहा। वह परमेश्वर की आज्ञा टालने के लिए शर्मिंदा था। मछली के पेट में रहने के तीसरे दिन, योना को भूमि पर फेंक दिया गया।

योना परमेश्वर के प्रति बहुत आभारी था और अब उसने नीनवे जाने का वादा किया। परमेश्वर ने उसे अपने महान प्रेम (हृदय गुब्बारा) दिखाया, जब उसने उसे माफ कर दिया।

बेबीलोन की मीनार

आयत: उत्पत्ति 11:1-9

खाली बोतल

गुब्बारा

निर्देश: एक प्लास्टिक की बोतल लें और एक छोटा छेद कहीं पर करें जहां कोई भी इसे नहीं देख सके। ऊपरी भाग के मार्ग से एक सामान्य गुब्बारे को अन्दर डालें।

"बेबीलोन की मीनार" नामक इस सच्ची बाइबल कहानी में परमेश्वर ने दुनिया के लोगों को भ्रमित करने का फैसला किया क्योंकि उनकी महत्वाकांक्षा बहुत बढ़ गई थी। बाइबल बताती है कि वे प्रसिद्दी चाहते थे और स्वयं के लिए एक नाम बनाना चाहते थे। इस समय में, परमेश्वर के वचन के अनुसार, दुनिया के सभी लोग एक ही भाषा बोलते थे और साथ में मिलकर काम करते थे। लोगों ने एक बड़े मीनार का निर्माण किया और वह हर दिन बड़ा होते जा रहा था (बोतल के अंदर के गुब्बारे को फुलाएं बढ़ाएं, छेद को न ढ़ांपें)

लेकिन जब परमेश्वर ने उसमें उनके स्वार्थी महत्वाकांक्षा को देखा और यह भी कि कैसे उन्होंने एक बड़े मीनार का निर्माण किया है, तो उन्होंने उनकी भाषाओं में गड़बड़ी डाल दी और उन्हें पृथ्वी के चारों ओर बिखेर दिया। (गुब्बारे से हवा बाहर जाने दें।)

क्योंकि वे आपस में बातचीत नहीं कर पा रहे थे, और वे चारों दिशाओं में फैले हुए थे, इसलिए वे पहले की तरह अपने काम को आगे नहीं बढ़ा पाए। (छेद को ढाँपे हुए बिना सफल हुए फुलाने की कोशिश करें)

क्या बात सामने निकलकर आई परमेश्वर खुद उन लोगों के विरूद्ध था? यह कोई शैतान का हमला नहीं था, या बुरे लोगों ने उन्हें कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। इसके बजाय, परमेश्वर स्वयं उनके खिलाफ था। लेकिन क्यों? एक बाइबल संस्करण इस प्रकार कहता है, "वे मशहूर होना चाहते थे" और एक अन्य संस्करण इस प्रकार कहता है, "वे स्वयं के लिए नाम कमाना चाहते थे।"

क्रिस टॉमलिन द्वारा एक अद्भुत आराधना गीत है जिसके बोल है कि "मैं किससे डरूं?" गीत के बोल में हमारी ओर स्वर्गदूतों के दल की बात की गई है। यह सोचना काफी रोमांचक है कि परमेश्वर हमारी ओर है और कोई भी हमारे विरोध में नहीं आ सकता। परन्तु बेबीलों के मीनार की इस कहानी एक ऐसी स्थिति का पता चलिंडा है जिसमें परमेश्वर हमारी ओर नहीं होगा। जब हम अपने स्वयं के लिए शक्ति, सम्मान, प्रसिद्धि और धन प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो परमेश्वर हमारी ओर नहीं होता है। वास्तव में, वह पूरी तरह से हमारे विरूद्ध जा सकते हैं, जैसा कि उसने बहुत पहले बाइबल में किया था।

यह याद रखना काफी महत्वपूर्ण है कि हम हमेशा विनम्र बने रहें, और हमारी अपनी महत्वाकांक्षाओं को नियंत्रित करें। यदि हम नम्र रहते हैं, तो परमेश्वर हमेशा हमारी ओर होंगे। (छेद को बिना ढांपे हुए गुब्बारे को जल्दी और आसानी से फुलाएं।) लेकिन अगर हम यह भूल जाते हैं, तो हमें हमारी अपनी महत्वाकांक्षा के साथ चीजों को हासिल करना बहुत मुश्किल हो सकता है (छेद को ढाँपे हुए बिना सफल हुए फुलाने की कोशिश करें।)

यह सबक बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आखिर में आप अपने स्वयं का दुश्मन बन बैठते हो और वास्तव में हम कभी नहीं चाहेंगे कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमारे विरूद्ध हो जाए!

गिदोन की सेना

आयत: न्यायियों 7: 16-22

लंबे गुब्बारे

नरसिंगा

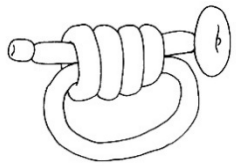

मशाल

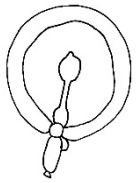

तलवार

न्यायियों 7: 7

परमेश्वर ने गिदोन से कहा, "इन तीन सौ चपड़ चपड़ करके पीने वालों के द्वारा मैं तुम को छुड़ाऊंगा, और मिद्यानियों को तेरे हाथ में कर दूंगा; और सब लोग अपने अपने स्थान को लौट जाए। "

न्यायियों 7: 16-22

तब गिदोन ने उन तीन सौ पुरूषों के तीन झुण्ड किए, और एक एक पुरूष के हाथ में एक नरसिंगा (नरसिंगा गुब्बारा) और खाली घड़ा दिया, और घड़ों के भीतर एक मशाल (मशाल गुब्बारा) थी।

फिर उसने उन से कहा, मुझे देखो, और वैसा ही करो; सुनो, जब मैं उस छावनी की छोर पर पहुंचूं, तब जैसा मैं करूं वैसा ही तुम भी करना। अर्थात जब मैं और मेरे सब संगी नरसिंगा (नरसिंगा गुब्बारा) फूंकें तब तुम भी छावनी की चारों ओर नरसिंगे फूंकना, और ललकारना, कि यहोवा की और गिदोन की तलवार॥

बीच वाले पहर के आदि में ज्योंही पहरूओं की बदली हो गई थी त्योहीं गिदोन अपने संग के सौ पुरूषों समेत छावनी की छोर पर गया; और नरसिंगे (नरसिंगा गुब्बारा) को फूंक दिया और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला। तब तीनों झुण्डों ने नरसिंगों (नरसिंगा गुब्बारा) को फूंका और घड़ों को तोड़ डाला; और अपने अपने बाएं हाथ में मशाल (मशाल गुब्बारा) और दाहिने हाथ में फूंकने को नरसिंगा (नरसिंगा गुब्बारा) लिए हुए चिल्ला उठे, यहोवा की तलवार (तलवार गुब्बारा) और गिदोन की तलवार (तलवार गुब्बारा)। तब वे छावनी के चारों ओर अपने अपने स्थान पर खड़े रहे, और सब मिद्यानी सेना के लोग दौड़ने लगे; और उन्होंने चिल्ला चिल्लाकर उन्हें भगा दिया। और जब उन्होंने तीन सौ नरसिंगों को फूंका, और यहोवा ने एक एक पुरूष की तलवार उसके संगी पर और सब सेना पर चलवाई; तो सेना के लोग सेरेरा की ओर बेतशित्ता तब और तब्बात के पास के आबेलमहोला तक भाग गए।

एक छोटी भेड़, लिंडा

आयत: भजन 23

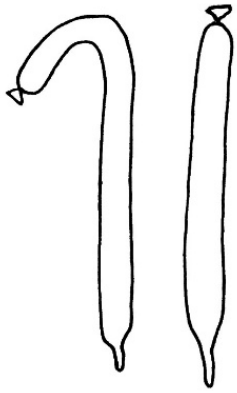

लंबा गुब्बारा

"यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कोई घटी नहीं है"

आयत को पढ़ें,

चरवाहा क्या करता है? वह अपनी भेड़ों की रखवाली करता है।

चरवाहे के पास दो उपकरण होते हैं, लाठी और सोंटा।

कहानी

अच्छा चरवाहा हरी चराईयों वाले एक स्थान को ढूँढ़ते हुए चारों ओर देख रहा है ताकि छोटी भेड़ लिंडा कुछ खा सके। जब चरवाहा उस जगह को देख रहा था, तो लिंडा उसके पास से कहीं दूर भटक जाती है। जब चरवाहे को पता चलिंडा है, तो वह अच्छा चरवाहा अपने सोंटे से उसे वापस रास्ते पर ले आता है।

चरवाहा उसे बताता है कि वह खुद से कहीं नहीं जा सकती, और उसे हमेशा उसके पास ही रहना चाहिए। लेकिन एक दिन, वह छोटी भेड़ आज्ञा नहीं मानती है, और चरवाहे की आवाज़ को करीब से नहीं सुनती, और, वह अपने आप दूर कहीं जाकर खेलती और चरती है। लेकिन, एक पल में, लिंडा अपने आप को एक बड़ी समस्या की बीच पाती है। वह छोटी भेड़ एक बड़े गडहे के अंदर गिर गई! एक भयानक बड़ा भालू उस गडहे के बाहर खड़ा था और वह बहुत डरी हुई थी!

लिंडा को नहीं पता था कि अच्छा चरवाहा वह सब कुछ देख रहा था जो वह कर रही थी। और उस भालू को भी नहीं पता था कि अच्छा चरवाहा छोटी भेड़ की मदद करने आने वाला था। फिर, वह चरवाहा वहां लाठी लेकर पहुंचा और डरा कर उस भालू को भगा देता है। जबकि लिंडा उस गड़हे के अंदर बहुत डरी हुई होती है, तो वह चरवाहा नज़दीक जाता है और अपने सोंटे को लेकर उस छोटी भेड़ को बाहर निकाल लेता है। उसे अपनी बाहों में ले लेते हुए, वह उसके घावों को बांधता है, जो उसे गिरने के कारण लगी थी। दौड़ते हुए, लिंडा अपने झुंड के पास बड़ी खुशी के साथ पहुंचती है, और अपने बाड़े के अन्दर आ जाती है। लाठी का उपयोग करते हुए, चरवाहे ने लिंडा को उस समस्या से बाहर निकाला जिसमें अनजाने में उसने अपने आप को डाल दिया था।

आजाद होने के बाद, वह दूसरी भेड़ों के साथ मिल जाती है, और उन सभी को फिर से देखकर ख़ुशी महसूस करती है।

वह अच्छा चरवाहा हमारे प्रभु यीशु मसीह की तरह है और हम में से हर एक उस लिंडा भेड़ की तरह है। हमें हर उस सलाह को सुनना सीखना चाहिए और हर दिन परमेश्वर के करीब रहना चाहिए।

तुरही बनाना

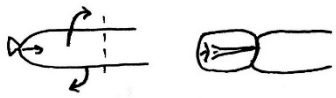

टाई को अंदर धकेलें और कुछ घुमावों के साथ इसे सुरक्षित करें।

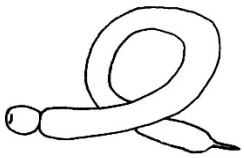

पहले गुब्बारे के साथ एक गोल वक्र बनाएं।

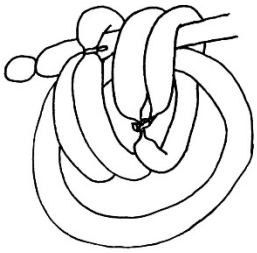

घुमावदार गुब्बारे को एक अन्य गुब्बारे के साथ लपेटें और छोर को बाँध दें।

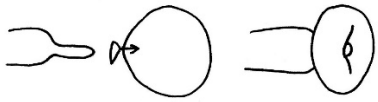

एक गोल गुब्बारे को फुलाएं।
गोल गुब्बारे की टाई को पहले गुब्बारे के पूँछ के सिरे में डालें।
उन्हें गोल गुब्बारे की दूसरी ओर धकेलें।
उन्हें एक अन्य गुब्बारे के टुकड़े के साथ बांध दें।

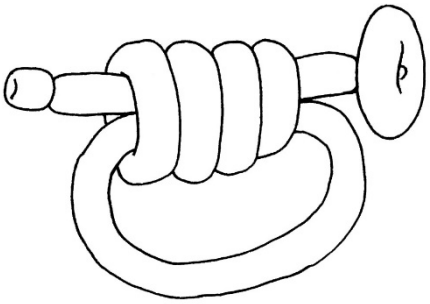

मशाल बनाना

गुब्बारे की शुरुआत के नज़दीक, या टाई के पास दो छोटी गेंदें बनाएं।

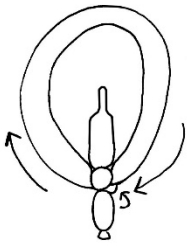

एक चक्र बनाएं और छोटी गेंदों के साथ इसे घुमाएं।

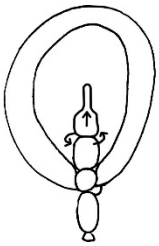
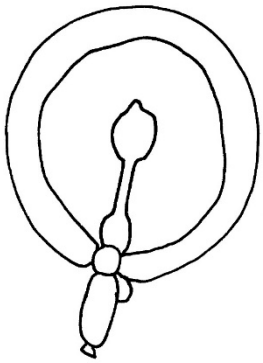
इसकी पूंछ में, एक छोटी गेंद को घुमाके रखें और छोर की ओर हवा को धकेलें।